

निर्माण के देवता विश्वकर्मा को किया नमन

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में जगह-जगह हुए पूजा के कार्यक्रम

■ एक संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

ग्रेटो में सोमवार को जगह-जगह विश्वकर्मा जयंती के मौके पर पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर वहां मौजूद सभी कर्मचारी इसमें शामिल हुए और निर्माण के देवता कहे जाने वाले विश्वकर्मा भगवान की आरती की। गौर सिटी में काम करने वाले सभी लोग अपने औजारों के साथ इस पूजा में आए और भगवान विश्वकर्मा के साथ-साथ अपने जीविका के संसाधन बने इन औजारों की पूजा की।

सेक्टर-16 स्थित गुलशन बेलिना सोसायटी में मजदूरों ने कंप्यूटर, संयंत्रों, मशीनरी से जुड़े दूसरे उपकरणों व वाहनों की पूजा की। आरजी लम्जरी होम्स के प्रोजेक्ट में काम कर रहे सभी इंजीनियरों व मजदूरों को इस पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। आरजी ग्रुप के एमडी राजेश गोयल ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर उनकी पूजा और यज्ञ करना अनिवार्य माना जाता है।

अल्पना-1 सेक्टर में एनपीसीएल की ओर से पूजा की गई। वहीं सेक्टर-144 स्थित ऑक्सिजन बिजनेस पार्क में भी विश्वकर्मा दिवस मनाया गया। दादरी में आमका रोड पर पूर्व सभासद सुधीर वत्स ने कार्यक्रम किया। नॉलेज पार्क में जीएनआईओटी कॉलेज और अल्पना-1 कमर्शियल बेल्ट में ट्रेडेक्स टावर-2 में भी पूजा की गई।

औजारों की भी हुई पूजा अर्चना

एक संवाददाता, नोएडा: शहर में सोमवार को कई जगह पर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन का देवता माना जाता है। सेक्टर-39 स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. वाई डी शर्मा ने भगवान विश्वकर्मा के व्यक्तित्व के बारे में बताया। सेक्टर-75 में बन रहे स्पेक्ट्रम मेट्रो मॉल और सेक्टर-78 स्थित सिक्का कार्मिक ग्रीन्स में मशीनों और औजारों की पूजा की गई। सेक्टर-144 स्थित गुलशन बोटनिया और 143 में बन रही सोसायटी गुलशन इकेबाना में लोगों ने भगवान विश्वकर्मा की आरती की।



सेक्टर-143 स्थित गुलशन इकेबाना सोसायटी



दादरी के छठ पूजा स्थल आमका रोड



सेक्टर 144 स्थित गुलशन बोटनिया सोसायटी



ग्रेटो के सेक्टर अल्फा 1 में एनपीसीएल



सेक्टर-78 स्थित सिक्का कार्मिक ग्रीन्स



ग्रेटो के नॉलेज पार्क स्थित जीएनआईओटी कॉलेज



ग्रेटो के कमर्शियल बेल्ट स्थित ट्रेडेक्स टावर 1

गौर सिटी में काम करने वाले सभी लोग अपने औजारों के साथ इस पूजा में आए और भगवान विश्वकर्मा के साथ-साथ अपने जीविका के संसाधन बने इन औजारों की पूजा की।